

अध्याय 12

1. लेखक ने 'प्रकृति के अक्षर' किन्हें कहा है?

उत्तर:- लेखक ने प्रकृति के अक्षर चट्टानों के टुकड़े, वृक्षों, पहाड़ों, नदियों, समुद्र, जानवरों की हड्डियाँ आदि को कहा है।

2. लाखों-करोड़ों वर्ष पहले हमारी धरती कैसी थी?

उत्तर:- लाखों करोड़ों वर्ष पहले हमारी धरती बहुत गर्म थी और उस पर कोई जानदार चीज नहीं रह सकती थी। इसी कारण उस समय धरती पर मनुष्यों का अस्तित्व नहीं था। धीरे-धीरे उसमें परिवर्तन होते गए और धरती में जानवरों और पौधे का जन्म हुआ।

3. दुनिया का पुराना हाल किन चीज़ों से जाना जाता है? उनके कुछ नाम लिखो।

उत्तर:- दुनिया का पुराना हाल चट्टानों के टुकड़े, वृक्षों, पहाड़ों, सितारे, नदियों, समुद्र, जानवरों की हड्डियों आदि चीज़ों से जाना जाता है।

4. गोल चमकीला रोड़ा अपनी क्या कहानी बताता है?

उत्तर:- गोल चमकीला रोड़ा अपनी कहानी बताते हुए कहता है कि वह कभी एक चट्टान का हिस्सा था। एक दिन पहाड़ों से बहते हुए पानी ने उसे बहाकर घाटी में भेज दिया। वहाँ से आगे एक पहाड़ी नाले ने उसे आगे धकेलकर दरिया में पहुँचा दिया। इसी प्रकार अपनी इस यात्रा में घिसते-घिसते वह चमकदार रोड़ा बन गया।

5. गोल चमकीले रोड़े को यदि दरिया और आगे ले जाता तो क्या होता? विस्तार से उत्तर लिखो।

उत्तर:- गोल चमकीले रोड़े को यदि दरिया और आगे ले जाता तो वह छोटा होते-होते अंत में बालू का एक जर्जर हो जाता और समुद्र के किनारे अपने भाइयों से जा मिलता, जहाँ एक सुंदर बालू का किनारा बन जाता, जिसपर छोटे-छोटे बच्चे खेलते और बालू के घरोंदे बनाते।

6. नेहरू जी ने इस बात का हलका-सा संकेत दिया है कि दुनिया कैसे शुरू हुई होगी। उन्होंने क्या बताया है? पाठ के आधार पर लिखो।

उत्तर:- नेहरूजी ने दुनिया कैसे शुरू हुई के बारे में बताया है कि धरती लाखों करोड़ों वर्ष पुरानी है और बहुत दिनों तक इसमें कोई आदमी न था। आदमियों के पहले सिर्फ जानवर थे और जानवरों से पहले एक ऐसा समय था जब यह धरती बेहद गर्म थी और इस पर कोई जानदार चीज नहीं रह सकती थी।

7. लगभग हर जगह दुनिया की शुरुआत को समझाती हुई कहानियाँ प्रचलित हैं। तुम्हारे यहाँ कौन सी कहानी प्रचलित है?

उत्तर:- हमारे यहाँ तो यही कहानी प्रचलित है कि दुनिया और सृष्टि के रचयिता ईश्वर हैं।

8. मसूरी और इलाहाबाद शहर भारत के कौन से प्रदेश/प्रदेशों में हैं?

उत्तर:- मसूरी उत्तराखंड और इलाहाबाद उत्तर-प्रदेश प्रान्तों के शहर हैं।

9. तुम जानते हो कि दो पत्थरों को रगड़कर आदि मानव ने आग की खोज की थी। उस युग में पत्थरों का और क्या-क्या उपयोग होता था?

उत्तर:- उस युग में पत्थरों का उपयोग जानवरों को डराने के लिए, उनका शिकार करने के लिए, आत्म रक्षा के लिए, हथियार, खेती के औजार, मकान बनाने आदि के लिए होता था।

• भाषा की बात

10. 'इस बीच वह दरिया में लुढ़कता रहा।' नीचे लिखी क्रियाएँ पढ़ो। क्या इनमें और 'लुढ़कना' में तुम्हें कोई समानता नजर आती है?

ढकेलना, सरकना, खिसकना

इन चारों क्रियाओं का अंतर समझाने के लिए इनसे वाक्य बनाओ।

उत्तर:- ढकेलना – इतना भारी पत्थर ढकेलना तो मुश्किल है।

सरकना – आदत न होने के कारण नई दुल्हन का घूँघट सरकने लगा।

खिसकना – बॉस के आने से पहले ही रोहन ऑफिस से खिसक लिया।

11. चमकीला रोड़ा – यहाँ रेखांकित विशेषण 'चमक' संज्ञा में 'ईला' प्रत्यय जोड़ने पर बना है। निम्नलिखित शब्दों में यही प्रत्यय जोड़कर विशेषण बनाओ और इनके साथ उपयुक्त संज्ञाएँ लिखो –

पत्थर, काँटा, रस, जहर।

उत्तर:-

शब्द	विशेषण	संज्ञा शब्द
पत्थर	पथरीला	रास्ता
काँटा	कँटीला	मार्ग
रस	रसीला	फल
जहर	जहरीला	शरबत

12. जब तुम मेरे साथ रहती हो, तो अक्सर मुझसे बहुत-सी बातें पूछा करती हो।'

यह वाक्य दो वाक्यों को मिलाकर बना है। इन दोनों वाक्यों को जोड़ने का काम जब-तो (तब) कर रहे हैं, इसलिए इन्हें योजक कहते हैं। योजक के रूप में कभी कोई बदलाव नहीं आता, इसलिए ये अव्यय का एक प्रकार होते हैं।

नीचे वाक्यों को जोड़ने वाले कुछ और अव्यय दिए गए हैं। उन्हें रिक्त स्थानों में लिखो। इन शब्दों से तुम भी एक-एक वाक्य बनाओ –

(क) कृष्णन फ़िल्म देखना चाहता है.....मैं मेले में जाना चाहती हूँ।

(ख) मुनिया ने सपना देखा.....वह चंद्रमा पर बैठी है।

(ग) छुट्टियों में हम सब..... दुर्गापुर जाएँगे.....जालंधर।

(घ) सब्जी कटवा कर रखना.....घर आते ही मैं खाना बना लूँ।

(ङ)मुझे पता होता कि शमीम बुरा मान जाएगा.....मैं यह बात न कहता।

(च) मालती ने तुम्हारी शिकायत नहीं.....तारीफ़ ही की थी।

(छ) इस वर्ष फसल अच्छी नहीं हुई है.....अनाज महँगा है।

(ज) विमल जर्मन सीख रहा है फ्रेंच।

बल्कि/ इसलिए / परंतु / कि / यदि / तो / नकि / या / ताकि

उत्तर:- (क) कृष्णन फ़िल्म देखना चाहता है परंतु मैं मेले में जाना चाहती हूँ।

(ख) मुनिया ने सपना देखा कि वह चंद्रमा पर बैठी है।

(ग) छुट्टियों में हम सब तो दुर्गापुर जाएँगे नकि जालंधर।

(घ) सब्जी कटवा कर रखना ताकि घर आते ही मैं खाना बना लूँ।

(ङ) यदि मुझे पता होता कि शमीम बुरा मान जाएगा तो मैं यह बात न कहता।

(च) मालती ने तुम्हारी शिकायत नहीं बल्कि तारीफ़ ही की थी।

(छ) इस वर्ष फसल अच्छी नहीं हुई है इसलिए अनाज महँगा है।

(ज) विमल जर्मन सीख रहा है या फ्रेंच।

अन्य वाक्य –

1. रीमा शरारती नहीं बल्कि शांत बालिका है।
2. रोहन दुर्घटना में घायल हो गया इसलिए विवाह समारोह में सम्मिलित नहीं हो पाया।
3. सिनेमा जाओ परन्तु अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद।
4. किसी ने सच ही कहा है कि झूठ के पाँव नहीं होते हैं।
5. यदि समय रहते बड़े भाई ने मेरी सहायता नहीं की होती तो आज मैं सफल न होता।
6. हमें दूसरों के गुणों पर ध्यान देना चाहिए नकि उनके अवगुणों का बखान करना चाहिए।
7. राम प्रदर्शनी में तुम जाना चाहते हो या मैं रोहन को भेज दूँ।
8. पढ़ाई पर ध्यान दो ताकि अच्छे अंक ला सको।

SoftDroid Tech